इब्लीस और उस्का लश्कर

(मुस्लिम शरीफ हिन्दी की रिवायत का खुलासा है.)

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.
हिन्दी किताब एक हजार मुन्तखब हदीसे मुस्लिम शरीफ.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*रावी हज़रत जाबिर रदी.| रसूलुल्लाह صلی اللہ علیہ وسلم ने फरमाया- बेशक शैतान इस बात से मायूस हो चुका है की नमाज़ी हज़रात इस अरब की खाडी में उस्की इबादत करें, लेकिन वोह उन्मे लडाई और फसादात कराता रहेगा.

* रावी हज़रत जाबिर रदी.| रसूलुल्लाह صلی اللہ علیہ وسلم ने फरमाया- इब्लीस का तख्त पानी पर है, वहां से वोह अपने लश्कर रवाना करता है. उस्के नज़दीक सबसे जियादा पसन्दीदा शैतान वोह होता है जो सबसे जियादा लोगों में फितना डालता है. उस्के लश्कर मेसे एक आकर कहता है मेने ऐसा-ऐसा किया है, वोह कहता है तुमने कुछ भी नहीं किया. फिर उन्मे से एक आकर कहता है की मेने एक मियां-बीवी के दरमियान झगडा करा दिया है, वोह उस्को अपने करीब करके कहता है हां तुमने बहुत अच्छा काम किया है और

उस्को गले लगा लेता है.
वज़ाहत- मियां-बीवी में इख्तिलाफ (झगडा) पैदा करना शैतान के नज़दीक सबसे बेहतर काम इसलिये है की उन्के झगडों से सिर्फ दो इन्सानों ही के दरमियान नहीं बल्कि दो खानदानों के दरमियान झगडे हो जाते है जिस्के नतीजे बहुत ही बुरे निकलते है, मसलन तलाक वगैरह. लिहाज़ा मियां-बीवी को ऐसे मौके पर 'अउजु बिल्लाहि मिनश्शैतानिर्रजीम' बार-बार पढना चाहिये.

*रावी हज़रत जाबिर रदी.| रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया- शैतान अपने लश्करों को लोगों में फितना डालने के लिये भेजता है, वे लोगों में फितना डालते है. तो उन्मे से मरतबे के एतिबार से वही शैतान जियादा बडा होता है जो उन्मे से फितना डालने के एतिबार से बडा हो.

*रावी अब्दुल्लाह बिन मसउद रदी.| रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया- तुम मेसे हर शख्स के साथ एक शैतान मुकर्रर कर दिया जाता है. सहाबा किराम रदी. ने अर्ज़ किया ए अल्लाह के रसूल! आपके साथ भी? हुजूर ﷺ ने फरमाया- मेरे साथ भी, लेकिन अल्लाह तआला ने उस्के मुकाबले में मेरी मदद फरमाई है, वोह मुसलमान हो गया है और वोह मुझे अच्छी बात के सिवा कोई बात नहीं कहता.